प्रेस विज्ञप्ति

चिकित्सा विश्वविद्यालय के क्वीन मेरी अस्पताल में कल देर रात को लखीमपुर से एक महिला मरीज जो कि प्रसव पीड़ा से ग्रसित थी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज का रक्तचाप बहुत अधिक बढ़ा हुआ था तथा उसको झटके भी आ रहे थे। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे देखने के उपरांत पाया कि उसे डीआईसी नामक बीमारी भी है जिसमें पूरे शरीर में अनेक स्थानो से रक्त स्राव प्रारम्भ हो जाता है। मरीज के परिजनों को उसकी बीमारी की गम्भीरता से पूर्णतह अवगत करा दिया गया था। चिकित्सको के अथक प्रयासों के बावजूद भी मरीज को बचाया नही जा सका। ज्ञात हो कि मरीज की हालत गम्भीर होने के उपरांत लखीमपुर के अस्पताल से रेफर किया गया था।

मरीज के परिजनों द्वारा मरीज की मृत्यु के उपरांत अधिक महंगा इलाज न वहन कर पाने का आरोप लगाते हुए चिकित्सालय के बाहर भीड़ इकठ्ठा करना प्रारम्भ कर दिया जिससे की तत्कालिन विभागाध्यक्षा प्रो0 उमा सिंह को शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस बुलाना पड़ा। चिकित्सकों ने किसी प्रकार का संदेह होने की अवस्था में पोस्टमार्टम कराने की पेशकस की जिसे परिजनों ने मना कर दिया तथा वस्तु स्तिथि का ज्ञात होने के बाद वह मरीज का शव लेकर चले गए।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस

इंडियन सोसाइटी हाइपर टेंशन, इंटरनेशनल सोसाइटी हाइपर टेंशन एवं वर्ल्ड हाइपर टेंशन लीग तीनो संस्थाओ ने मिलकर पूरे भारत में मई महीने को May Measurement Month (MMM) के रूप में पूरे माह हाइपर टेंशन के नये रोगी पहचान करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। पूरे भारत वर्ष में 165 जगहों पर इस प्रकार के अभियान चल रहे है। इस पूरे कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए प्रो0 अनुज महेश्वरी विभागाध्यक्ष मेडिसिन विभाग, बी0बी0डी0यू0 को अभियान का संयोजक बनाया गया है।

चिकित्सा विश्वविद्यालय के फिजियोलॉजी विभाग के प्रो0 नरसिंह वर्मा इंडियन सोसाइटी हाइपर टेंशन के सचिव है। प्रो0 वर्मा ने बताया कि विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य के अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट का एक वीडियो जारी किया गया जिसमे उन्होने इस दिवस के महत्व को रेखांकित किया। चिकित्सा विश्वविद्यालय के नवीन ओ0पी0डी0 में भी यह अभियान नित्य की भाँति चलता रहा जिसे आज भी फिजियोलॉजी विभाग के चिकित्सकों तथा रेजिडेण्ट डॉक्टरो ने मा0 कुलपति महोदय एवं विभागाध्यक्ष प्रो0 सुनीता तिवारी के निर्देशन में जारी रखा। ज्ञातब्य हो कि चिकित्सा विश्वविद्यालय मे अबतक लगभग 100 रोगी प्रतिदिन इस कार्यक्रम के अन्तर्गत चिन्हीत किये जा रहे है।

इसी प्रकार का एक कार्यक्रम बी0बी0डी0यू0 में भी किया जा गया जिसे प्रो0 अनुज महेश्वरी ने संचालित किया जिसमे 250 नये उच्च रक्तचाप के रोगियों को चिन्हीत किया गया।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू